भारत - चाड संबंध

राजनीतिक संबंध

भारत और चाड के बीच संबंध बहुत ही सौहार्द्रपूर्ण हैं तथा चाड गणराज्य में भारत के प्रति बहुत सद्भाव एवं सराहना की भावना मौजूद है। भारत और चाड के बीच उच्च स्तरीय संपर्क एवं सहयोग में वृद्धि वर्ष 2004 से हुई है तथा अनेक द्विपक्षीय यात्राएं एवं उच्च स्तरीय अंत:क्रियाएं हुई हैं। यात्राओं के बारे में जानकारी अनुबंध में दी गई है।

2. चाड के राष्ट्रपति इद्रिस डेबी ने भारत - अफ्रीका मंच की तीसरी शिखर बैठक के लिए 26 से 30 अक्टूबर, 2015 के दौरान नई दिल्ली, भारत का दौरा किया। अपनी यात्रा के दौरान चाड के राष्ट्रपति ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। चाड के राष्ट्रपति के साथ 32 सदस्यीय शिष्टमंडल आया था जिसमें अन्य उच्च स्तरीय अधिकारियों के अलावा विदेश एवं अफ्रीकी एकीकरण मंत्री श्री मौस्सा फाकी महामत; योजना एवं अंतर्राष्ट्रीय यहयोग मंत्री श्रीमती मरियम महामत नौर; अवसंरचना, उद्घाटन एवं परिवहन मंत्री श्री अडौम यूनुस और अर्थ, वाणिज्य एवं पर्यटन विकास मंत्री श्री अज़ीज़ महामत सालेह शामिल थे।

3. इससे पहले राज्य मंत्री (मानव संसाधन विकास), प्रो. रामशंकर कथेरिया ने अक्टूबर 2015 में नई दिल्ली में होने वाली भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक (आई ए एफ एस-III) में भाग लेने के लिए चाड के राष्ट्रपति इद्रिस डेबी इटनो को संबोधित माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का निमंत्रण पत्र सौंपने के लिए प्रधानमंत्री के विशेष दूत के रूप में 13 और 14 जुलाई, 2015 को चाड का दौरा किया। चाड के राष्ट्रपति की ओर से प्रधानमंत्री श्री काल्जेबेट पाहिमी डिबेट ने 14 जुलाई, 2015 को राज्य मंत्री (मानव संसाधन विकास) की अगवानी की तथा चाड के राष्ट्रपति को संबोधित निमंत्रण पत्र स्वीकार किया। चाड के विदेश मंत्री श्री मौस्सा फाकी महामत ने माननीया विदेश मंत्री द्वारा संबोधित निमंत्रण पत्र को निजी तौर पर प्राप्त किया।

4. चाड के साथ हाइड्रोकार्बन, अवसंरचना तथा क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में परस्पर लाभप्रद सहयोग की अच्छी संभावना है। यह देश टीम 9 पहल (अफ्रीकी आंदोलन के लिए तकनीकी - आर्थिक दृष्टिकोण) का सदस्य है जिसमें पश्चिमी अफ्रीका के तथा मध्य अफ्रीका के 8 देश सदस्य हैं, जो भारत के साथ सहयोग के माध्यम से तकनीकी एवं आर्थिक क्षेत्रों में लाभ प्राप्त करने का प्रयास कर रहा है। पांच परियोजनाओं के लिए भारत चाड को 50 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता प्रदान कर रहा है, जिसकी वे बहुत प्रशंसा करते हैं।

वाणिज्यिक एवं व्यापार संबंध :

5. पिछले कुछ वर्षों के दौरान चाड के साथ भारत के प्रत्यक्ष द्विपक्षीय व्यापार में एक छोटे बेस के माध्यम से उछाल आया है, हालांकि यह अभी भी क्षमता से कम है। तथापि जमीनी स्तर पर जो साक्ष्य मौजूद हैं उनसे संकेत मिलता है कि चाड में बड़े

पैमाने पर भारतीय माल की मौजूदगी है जिनका अधिकतर दुबई, कैमरून एवं नाइजीरिया के माध्यम से आयात किया जाता है। कई अनुस्मारक भेजने के बावजूद चाड ने अभी तक सबसे कम विकसित सभी देशों के लिए भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित ड्यूटी फ्री तरजीही करार पर हस्ताक्षर नहीं किया है। चाड के लिए भारतीय निर्यात में वर्ष 2012-13 तक निरंतर वृद्धि होती रही है परंतु वर्ष 2013-14 की अवधि के दौरान यह घटकर 32.90 मिलियन अमरीकी डालर हो गया है। तथापि, 2014-15 में इसमें 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 40.68 मिलियन अमरीकी डालर पर पहुंच गया।

भारत - चाड द्विपक्षीय व्यापार की सांख्यिकी (मिलियन अमरीकी डालर में मूल्य)

	2010-11	**2011-12**	**2012-13**	**2013-14**	**2014-15**
भारत का निर्यात	11.90	39	46	32.90 (-28 प्रतिशत)	40.68 (23 प्रतिशत)
भारत का आयात	0.57	0.15	157.15*	30.06 (-73 प्रतिशत)	62.77 (457 प्रतिशत)

* भारत ने चाड से क्रूड का आयात करना आरंभ किया है।

चाड में भारतीय कंपनियां :

6. 1 बिलियन डालर के बदले में जेन टेलीकॉम के एयरटेल द्वारा अधिग्रहण के माध्यम से जून 2010 में चाड में भारत की आर्थिक उपस्थिति में मजबूती आई। आज एयरटेल चाड का सबसे बड़ा नेटवर्क है तथा यह इस नेटवर्क के विस्तार के लिए 100 मिलियन डालर का निवेश कर रहा है। भारत की कुछ निजी कंपनियां चाड में भेषज पदार्थ, खाद्य सामग्री, रेस्टोरेंट, खाद्य तेल आदि जैसे क्षेत्रों में अपना उद्यम शुरू करने की प्रक्रिया में हैं। तंजानिया एवं नाइजीरिया आधारित कुछ भारतीय कंपनियां भी चाड में निवेश के अवसरों का पता लगा रही हैं। भारत हैवी इंडस्ट्रीज ने 331 किलोमीटर की ऑयल रिफाइनरी परियोजना के लिए पाइप की आपूर्ति की है।

द्विपक्षीय भारतीय अनुदान / ऋण सहायता :

7. चाड गणराज्य हमारे अनेक सहायता कार्यक्रमों को प्राप्त करने वाला देश है। इसका ब्यौरा यहां नीचे दिया गया है :

- भारत सरकार ने वर्ष *2004* में चाड को *5,000* मीट्रिक टन चावल दान में दिया।
- जुलाई, *2005* में भारत सरकार ने चाड में *5* परियोजनाओं के लिए टीम *9* पहल के तहत कुल *50* मिलियन अमरीकी डालर की एग्जिम ऋण सहायता के लिए मंजूरी प्रदान की जो निम्नलिखित से संबंधित हैं *: (क)* साइकल विनिर्माण प्लांट*; (ख)* खेती के लिए ट्रैक्टर, पावर टिलर, ट्रेलर एवं औजारों के विनिर्माण एवं संयोजन के लिए प्लांट*; (ग)* स्टील बिलेट प्लांट एवं रोलिंग मिल*; (घ)* कॉटन यार्न प्लांट*;* और *(ड.)* एक फ्रूट जूस प्लांट।

- निम्नलिखित चार परियोजनाओं के लिए भारत सरकार की ओर से *40.32* मिलियन डालर की ऋण सहायता के लिए मंजूरी प्रदान की गई जो *19* जनवरी, *2012* को करार पर हस्ताक्षर होने के बाद क्रियाशील हुई हैं *:*

(क) ग्रामीण विद्युतीकरण परियोजना *(*सौर ऊर्जा*) (15* मिलियन डालर*)*

(ख) स्पिनिंग मिल का विस्तार *(*बुनाई एवं प्रसंस्करण की क्षमता में वृद्धि*) (15.90* मिलियन डालर*)*

(ग) कंपोस्ट निर्माण यूनिट *(7.20* मिलियन डालर*)*

(घ) पशु आहार के लिए निर्माण यूनिट *(2.22* मिलियन डालर*)*

*(*एग्जिम बैंक ने दिनांक *14* नवंबर *2013* के पत्र के माध्यम से पशु आहार संयंत्र के साथ *(ग)* एवं *(घ)* के प्रतिस्थापन के बारे में सूचित किया*) (9.3* मिलियन अमरीकी डालर*)*।

(ड़) भेषज पदार्थ विनिर्माण संयंत्र के लिए मई *2012* में भारत सरकार द्वारा *18.08* मिलियन अमरीकी डालर की एक अन्य ऋण सहायता के बारे में सूचित किया गया है, जिस पर दोनों पक्षों द्वारा विधिवत रूप से हस्ताक्षर किए गए हैं। चाड इस तरह की और ऋण सुविधाओं की उम्मीद लगाए बैठा है।

8. पेन अफ्रीका ई-नेटवर्क चाड सरकार ने 2009 में एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किया जिससे अखिल अफ्रीकी ई-नेटवर्क में उनकी भागीदारी का मार्ग प्रशस्त हुआ। चाड में इस नेटवर्क की स्थापना का कार्य शुरू हो गया है तथा एक टी सी आई एल विशेषज्ञ को नजमेना में तैनात किया गया है।

आई टी ई सी एवं संस्कृति :

9. वर्ष 2006-07 तक भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आई टी ई सी) कार्यक्रम के तहत चाड को पांच सीटें आवंटित की गई थीं। वर्ष 2008 में भारत - अफ्रीका मंच की पहली शिखर बैठक के बाद चाड के लिए आई टी ई सी कोटा में निरंतर वृद्धि हुई है तथा इसकी वर्ष 2011-12 में 20 स्लाट (4 का उपयोग किया गया) से बढ़कर वर्ष 2012-13 में 25 (8 का उपयोग किया गया) हो गई है। वर्ष 2013-14 में चाड के लिए आई टी ई सी के 25 स्लाट आवंटित किए गए हैं परंतु भाषा संबंधी अड़चनों की वजह से केवल 7 स्लाट का उपयोग किया गया है। 2014-15 के दौरान केवल एक स्लाट का उपयोग किया गया, जबकि वर्ष के लिए 25 स्लाट आवंटित किए गए थे। 2015-16 के लिए भी 25 स्लॉट रखे गए हैं। भारत के विदेश मंत्रालय द्वारा अगस्त 2012 में नई दिल्ली में आयोजित विदेशी नागरिकों के लिए 55वें पेशेवर पाठ्यक्रम में चाड के एक राजनयिक ने भाग लिया। पिछले कुछ वर्षों से चाड के अनेक युवक अलग से भारत में हिंदी भाषा प्रशिक्षण फेलोशिप प्राप्त कर रहे हैं।

भारतीय समुदाय

10. लगभग 200 भारतीय नागरिक चाड में तेल परियोजनाओं, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, मिशनरी, एयरटेल प्रचालन तथा विदेशी व्यापार में काम कर रहे हैं। स्थानीय नियोक्ताओं एवं प्राधिकारियों के हाथों भारतीय नागरिकों के साथ दुर्व्यवहार के कुछ मामले सामने आए

हैं। फरवरी 2008 में नजेमेना पर विद्रोही हमलों की वजह से उच्चायोग ने चाड से भारतीय नागरिकों के निकलने में सहायता प्रदान की। अधिक शांतिपूर्ण परिस्थितियों के बहाल हो जाने के बाद इनमें से अधिकांश भारतीय नागरिक चाड की राजधानी में लौट गए हैं। भारतीय अवैतनिक कोंसुल : श्री बदायुंई तिजानी को सितंबर 2013 से भारत के अवैतनिक कोंसुल के रूप में नियुक्त किया गया है।

हवाई संपर्क :

11. चाड और भारत के बीच कोई सीधा हवाई संपर्क नहीं है। चाड के लिए उड़ान भरने वाली एयरलाइंस में एयर फ्रांस, इथोपियन एयरलाइंस, आस्की तथा कीनिया एयरवेज शामिल हैं। पेरिस से चाड के लिए सप्ताह में दो उड़ानें हैं तथा आदिस अबाबा एवं नैरूबी से सप्ताह में कई बार भारत से होते हुए उड़ानें हैं।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय उच्चायोग, अबुजा की वेबसाइट :
http://hcindia-abuja.org/index.php

***

फरवरी, 2016